शनिवार को रैबारी, देवासी समाज के प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिण्डल ने, राज्य सरकार द्वारा सामाजिक उत्थान एवं विकास के लिए किए गए निर्णयों, संचालित की जा रही योजनाओं एवं बजट घोषणाओं के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। एक अन्य कार्यक्रम के अन्तर्गत, शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर योगी, नाथ एवं सिद्ध समाज के प्रतिनिधिमण्डल ने भी मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट की तथा राज्य सरकार के विभिन्न निर्णयों व योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। इस दौरान सांसद मदन राठौड़ भी उपस्थित थे।

नौसेना को दूसरा पनडुब्बीरोधक पोत ''अंद्रोथ'' मिला

नई दिल्ली, 13 सितंबर। भारतीय नौसेना को दूसरा पनडुब्बी रोधी युद्धक पोत अंद्रोथ मिल गया है। रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक उपक्रम कंपनी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) लिमिटेड ने पनडुब्बी रोधी युद्धक पोत अंद्रोथ भारतीय नौसेना को सौंपा दिया है। पनडुब्बी रोधी युद्धक पोत अंद्रोथ मिलने के बाद नौसेना की शक्ति ने काफी इजाफा होगा।

इस पोत का नाम लक्षद्वीप द्वीपसमूह के अंद्रोथ द्वीप पर रखा गया है। यह इस शृंखला का दूसरा पोत है। इससे पहले 8 मई को पहला पोत अर्नाला नौसेना को सौंपा गया था, जिसे 18 जून को नौसेना में शामिल कर लिया गया। जीआरएसई के अधिकारी ने बताया कि इस श्रेणी के पोत पर स्वदेशी 30 मिमी नेवल सरफेस गन (एनएसजी) लगाई गई है, जिसे खुद जीआरएसई ने ही तैयार किया है।

भारतीय नौसेना ने कुल 16 ऐसे पोतों का ऑर्डर दिया है, जिनमें आठ जीआरएसई और आठ एक अन्य भारतीय शिपयार्ड की ओर से बनाए जा रहे हैं। जीआरएसई द्वारा सभी आठ एएसडब्ल्यूएसडब्ल्यूसी लॉन्च किए जा चुके हैं, लेकिन यह नौसेना को सौंपा गया दूसरा जहाज है। उन्होंने कहा कि ये जहाज तटीय जल की पूर्ण पैमाने पर भूमिगत निगरानी के साथ-साथ, खोज और हमले में भी सक्षम हैं। ये पोत विमानों के साथ समन्वित पनडुब्बी-रोधी अभियान चलाने में सक्षम हैं। इनमें अत्याधुनिक कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम लगाया गया है और इन्हें हल्के टॉरपीडो तथा पनडुब्बी रोधी रॉकेटों से लैस किया जाएगा।

हिमाचल प्रदेश में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में 45, चंबा में 38 व सिरमौर में 21 सड़कें बंद हैं। उधर, भरमौर-पठानकोट हाईवे पर तुन्नूहट्टी, लाहड़, मैहला के समीप बीती रात भारी बारिश के साथ भूस्खलन हुआ है। इससे हाईवे पर छोटे-बड़े वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

राहुल गांधी ने....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस ने इस आदेश को आधार बनाकर चुनाव आयोग की मौजूदा सत्यापन प्रणाली को अपारदर्शी और जवाबदेही से रहित बताया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी की टीम हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात जैसे राज्यों से मिले इनपुट का विश्लेषण कर रही है। सबसे ज्यादा ध्यान वाराणसी पर है-जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकसभा सीट है। कांग्रेस उम्मीदवार अजय राय, जिन्होंने वाराणसी से दूसरा स्थान प्राप्त किया था, पहले ही चुनाव परिणाम को चुनौती दे चुके हैं। उनका आरोप है कि सातवें राउंड की गिनती तक मोदी पीछे चल रहे थे, तभी बिजली चली गई और बाद में मोदी नेता को विजेता घोषित कर दिया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, जो हाल ही में गुजरात का दौरा करके लौटे हैं, के पास भी कथित तौर पर दस्तावेज़ हैं जो उन्होंने चुनावी आयोग और भाजपा सरकार की नाक के नीचे हुए व्यापक चुनावी घोटालों के प्रमाण के रूप में बताए हैं। पार्टी इस पूरे मामले में रणनीतिक ढंग से धीरे-धीरे सबूतों को सार्वजनिक कर रही है। एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा, इसमें कोई जल्दबाज़ी नहीं है-राहुल जी चाहते हैं कि हर आरोप के पीछे दस्तावेज़, शपथ-पत्र और कानूनी तर्क हों, ताकि ये न केवल अदालत में बल्कि जनता के सामने भी टिक सके। जहां भाजपा इन सभी आरोपों को लगातार बेबुनियाद बता रही है, वहीं कांग्रेस नेताओं का दावा है कि यह खुलासा राजनीतिक हलचल पैदा कर सकता है और आगामी राज्य चुनावों से पहले विपक्षी दलों को ऊर्जा प्रदान कर सकता है।

फिलहाल सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि राहुल गांधी अपना तथाकथित हाईडोज़न बम कब फोड़ते हैं-एक ऐसा कदम जिससे कांग्रेस उम्मीद कर रही है कि भारत में चुनावी प्रक्रिया की साख पर बहस की दिशा ही बदल जाएगी।

आइज़ोल से दिल्ली के बीच राजधानी एक्सप्रैस को प्र.मंत्री ने हरी झंडी दिखाई

आइजोल, 13 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को मिजोरम की राजधानी आइजोल को रेल नेटवर्क से जोड़ने वाली बरबई से सायरंग तक बनी नयी रेल लाइन पर ट्रेन परिचालन का शुभारंभ करने के साथ ही, सायरंग से दिल्ली जाने वाली राजधानी एक्सप्रेस, सायरंग से कोलकाता और सायरंग से गुवाहाटी जाने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मोदी मौसम खराब होने के कारण समारोह स्थल तक नहीं पहुंच पाये और उन्होंने हवाई अड्डे से वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग से इन ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई।

आइजोल से दिल्ली जाने वाली इस राजधानी एक्सप्रेस के शुरू होने के बाद यह पूर्वोत्तर राज्यों की चौथी राजधानी हो गयी है, जो देश की राजधानी से रेल मार्ग से जुड़ गयी। मोदी ने 05609 बरबई से कोलकाता, 05610 सायरंग से गुवाहाटी ओर सायरंग से आनंद विहार टर्मिनल (दिल्ली) के बीच चलने वाली ट्रेनों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (सूचना एवं प्रचार) दिलीप कुमार ने बताया कि बरबई से सायरंग के बीच बनी नयी रेल लाइन पर्वतीय क्षेत्र से होकर गुजरी है।

सुशीला कार्की के प्र.मंत्री...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वहाँ उन्होंने चर्चा, बहस और मतभेदों के बाद अंततः उन्हें प्रधानमंत्री बनाने का निर्णय लिया।

इन युवाओं, जिन्हें अब आम तौर पर नेपाल की ''जैन ज़ैड'' कहा जा रहा है, ने बहस की, आपस में सहमति जताई और अंततः यह निर्णय लिया कि कार्की को प्रधानमंत्री चुना जाए। ''डिस्कॉर्ड'' नाम के मंच ने इन युवाओं को एक बेहद कठिन निर्णय लेकर अप्रत्याशित समझौते (अकॉर्ड) पर पहुँचने में मदद की, जो देश में कुछ हद तक स्थिरता लाने की दृष्टि से अहम है।

सामान्यतः संविधान के अनुसार प्रधानमंत्री का संसद का सदस्य होना ज़रूरी है। लेकिन इस असाधारण स्थिति में, जब संसद भंग हो चुकी है और प्रधानमंत्री फरार हैं, सुशीला कार्की को विशेष क़ानून के तहत यह पद सौंपा गया। कार्की ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ले ली है और अब वे मार्च 2026 में होने वाले अगले चुनाव तक सरकार का संचालन करेंगी। वे सरकार और उच्च पदों में फैले भ्रष्टाचार की कट्टर विरोधी रही हैं। मुख्य न्यायाधीश रहते हुए भ्रष्टाचार की लॉबी ने उन्हें बुरी तरह निशाना बनाया था।

इन लॉबीज़ के द्वारा उनके ख़िलाफ़ महाभियोग प्रस्ताव भी लाया गया था, हालाँकि वह पारित नहीं हो सका। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया से वे इतनी आहत और निराश हुईं कि अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले ही उन्होंने इस्तीफ़ा दे दिया। अब उन्हें सेवानिवृत्ति से बाहर लाकर, फिर से नेतृत्व की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है।

उनकी नियुक्ति पड़ोसियों के बीच पहले से ही बिगड़े संबंधों को सुधारने में अहम भूमिका निभा सकती है। पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली भारत विरोधी थे, और उन्होंने चीन का खुलकर साथ दिया। उनके कार्यकाल में चीन को भारत विरोधी अभियान चलाने का सीधा अवसर मिला।

कार्की की कुछ पढ़ाई भारत में हुई है। उन्होंने बनारस हिंदू युनिवर्सिटी से स्नातक की पढ़ाई की और आगे की पढ़ाई नेपाल में पूरी की। वे नेपाल की राजनीति, सरकार और अभिजात वर्ग में फैले सर्वव्यापी भ्रष्टाचार के खिलाफ़ अपनी जुझारू लड़ाई के लिए जानी जाती रही हैं। उनकी भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम से सत्ता में बैठे लोग इतने नाराज़ हुए कि उन्हें अपने पद से हटना पड़ा। अब उनके सामने बेहद कठिन चुनौती होगी, क्योंकि विरोधी ताक़तें बहुत सशक्त और आक्रामक हैं। उन्हें काबू में किए बिना देश में स्थिर सामाजिक और राजनीतिक माहौल लौटाना मुश्किल होगा।

इसके साथ ही, उनके समक्ष अगले साल मार्च तक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवाने की भी चुनौती है, जो आसान काम नहीं होगा।

मणिपुर के कुकी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का सामना करना पड़ा और वे पूरी तरह से घाटी क्षेत्रों से बाहर कर दिए गए हैं। इन दस विधायकों में सात विधायक भाजपा से हैं।

कुकी समुदाय मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में बहुसंख्यक है, जबकि मैतेई समुदाय घाटी क्षेत्रों में प्रभावशाली माना जाता है। ज्ञापन में विधायकों ने दावा किया कि दोनों समुदाय अब केवल अच्छे पड़ोसी के रूप में शांति से रह सकते हैं, लेकिन एक ही छत के नीचे नहीं।

गौरतलब है कि जुलाई 2023 में भी इन्हीं दस आदिवासी विधायकों ने केन्द्र सरकार से यह मांग की थी कि हिंसा के मद्देनजर, उनके समुदाय के लिए अलग प्रशासन की व्यवस्था की जाए।

प्र.मंत्री की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

'राजधर्म' कहाँ है?

आख़िरकार, मोदी का यह दौरा मरहम है या दिखावा और मज़ाक़, यह देखने वाले की नज़र पर निर्भर करता है। जहाँ एक ओर, यह दौरा विकास और एकता का संदेश देता है, वहीं इसकी संक्षिप्त अवधि और ठोस नीतियों की कमी इसके असर को सीमित कर देती है।

अब समय ही बताएगा कि यह दौरा मणिपुर जैसे संघर्षग्रस्त राज्य के लिए स्थायी और सकारात्मक बदलाव ला पाएगा या नहीं।

नेपाल की संसद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में बर्तन एक साथ रखे जाते हैं, तो आवाज़ तो होती ही है। ऐसा होता है।''

सुशीला कार्की भारत के लिए कोई अजनबी नहीं हैं। लाखों नेपाली नागरिकों की तरह, नेपाल की नई प्रधानमंत्री के भारत से गहरे संबंध हैं, जिसे सांस्कृतिक रूप से नेपाल का चेहरा माना जाता है। अब 73 वर्ष की हो चुकीं कार्की ने भारत के उत्तर प्रदेश स्थित बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से पढ़ाई की थी और गंगा नदी के पास छत पर सोने के अपने दिनों को स्नेहपूर्वक याद करती हैं।

विकास के लिए शांति जरूरी है,...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घाटी के इलाकों में विभिन्न समूहों के साथ समझौतों को लेकर बातचीत हुई है।

भारत सरकार शांति स्थापित करने के प्रयास करते हुये, संवाद, परस्पर सम्मान एवं समझबूझ को प्राथमिकता दे रही है। ''मैं आप सभी संगठनों से अपील करता हूं कि शांति के मार्ग पर आगे बढ़ें और अपने सपनों को पूरा करें। मैं आपके साथ हूं, भारत सरकार मणिपुर की जनता के साथ है।''

भारी बारिश के कारण, प्रधानमंत्री ने हेलीकॉप्टर की बजाय कार से यात्रा करने का विकल्प चुना।

प्रधानमंत्री का भाषण मुख्यतः विकास पर केन्द्रित रहा - इंफाल में नया हवाई अड्डा, नए हाईवे, रेल और सड़क कनेक्टिविटी, जीरीबम से इंफाल को जोड़ने वाली रेलवे परियोजना, चिकित्सा महाविद्यालय आदि पर उन्होंने विस्तार से चर्चा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है... एक समय था, जब दिल्ली में लिए गए फैसलों को यहां तक पहुंचने में दशकों लगते थे। आज हमारा चुराचांदपुर, हमारा मणिपुर, देश के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने पूरे देश के गरीबों के लिये पक्के मकानों के निर्माण की घोषणा की थी तथा उसका लाभ मणिपुर को भी मिला था।

उन्होंने कहा, यहां लगभग 60,000 घर बनाए जा चुके हैं, जिससे हजारों परिवारों को गरिमा और सुरक्षा से भरा जीवन मिला है।

उन्होंने यह भी बताया कि ''पिछले वर्षों में देशभर में 15 करोड़ से अधिक लोगों को नल से जल की सुविधा मिली है। 7-8 साल पहले मणिपुर में केवल 25-30 हजार घरों में ही पाइप से पानी आता था। आज यहां 3.5 लाख से अधिक घरों में नल से पानी की सुविधा पहुंच चुकी है।

प्रधानमंत्री की यात्रा से कुछ घंटे पहले, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस यात्रा को ''दिखावा'' और मणिपुर के लोगों का अपमान करार दिया।

खड़गे ने एक्स पर पोस्ट किया, ''नरेन्द्र मोदी जी, मणिपुर में आपका यह 3 घंटे का स्टॉपओवर कोई करुणा नहीं है - यह ढोंग है, दिखावा है और जख्मी लोगों का घोर अपमान है। इंफाल और चुराचांदपुर में आपका आज का रोड शो राहत शिविरों के लोगों की चीखें सुनने से भागने की कायरता पूर्ण कोशिश है।''

मेघालय के पूर्व...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करेगी। साधारण परिवार से आने वाले नेता लापांग मेघालय के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक थे। उन्होंने शुरु में अपनी मां की चाय की दुकान चलाने में मदद की। इसके बाद उन्होंने मजदूरी की, शिक्षक बने और सरकारी कर्मचारी के रूप में भी काम किया। उनका राजनीतिक सफर 1972 में नोंगपोह विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल कर शुरू हुआ और फिर वे कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गये। दिवंगत नेता कैबिनेट मंत्री भी रहे और फिर 1992 से 2010 तक मेघालय के मुख्यमंत्री रहे। वह मेघालय प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष भी रहे और फिर वे 2018 में नेशनल पीपुल्स पार्टी से जुड़ गये। उन्होंने कॉनराड संगमा नेतृत्व वाली सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में भी काम किया। लापांग को 1992 में री-भोई जिले के बनने में प्रमुख व्यक्ति माना जाता है, जो मेघालय के प्रशासनिक इतिहास में एक मील का पत्थर है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908